मेंढक उदास है

मैक्स वेल्थुइज्सो

मेंढक उदास है

मैक्स वेल्थुइज्सो
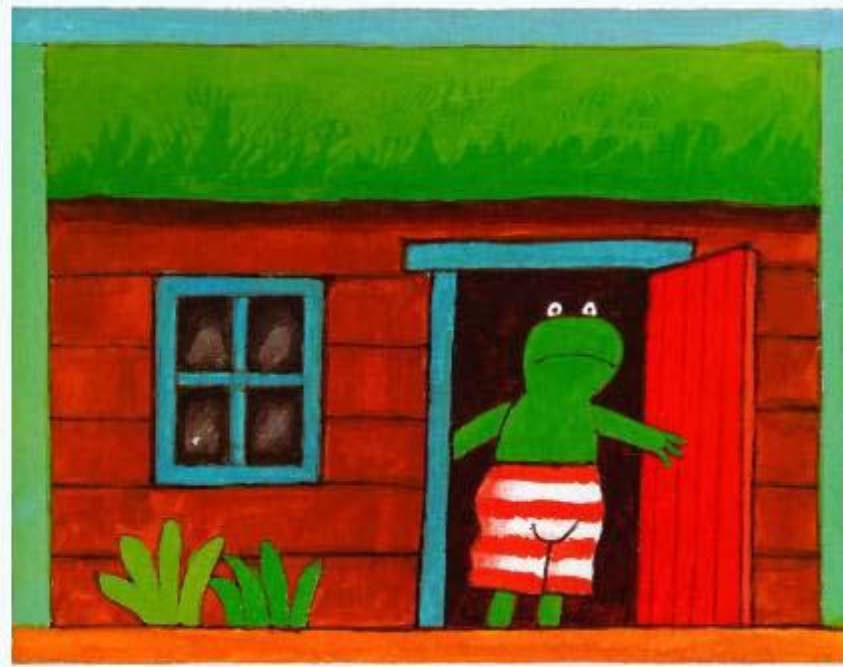
मेंढक नींद से जाग उठा.

वो बहुत उदास महसूस कर रहा था. . .

. . . मेंढक का रोने का मन कर रहा था.

लेकिन ऐसा क्यों था यह उसे यह नहीं पता था.

उससे छोटा भालू चिंतित हुआ.
वो चाहता था कि मेंढक खुश हो.
"कृपा मुस्कुराओ, मेंढक," उसने कहा.
"मैं नहीं मुस्कुरा सकता," मेंढक ने कहा.
"लेकिन तुम कल तो मुस्कुरा रहे थे," छोटे भालू ने कहा.

लेकिन आज मेंढक मुस्कुरा नहीं पाया.
आज वो खुश नहीं था.
वो जैसा था वो वैसा ही रहना चाहता था.
फिर छोटा भालू वहां से चला गया.

चूहा आया. "ज़रा मुस्कुराओ मेंढक!" उसने कहा.

"मैं नहीं मुस्कुरा सकता," मेंढक ने कहा.

"लेकिन आज बड़ा खूबसूरत दिन है!" चूहे ने कहा.

"तुम कहीं बीमार तो नहीं हो, क्यों?"

"नहीं." मेंढक ने कहा. "मैं बीमार नहीं हूँ. मैं बस दुखी हूँ."

"क्या मैं तुम्हें हंसाऊं?" चूहे ने पूछा.

और फिर चूहा पागलों की तरह मेंढक के सामने नाचने लगा.

लेकिन उससे मेंढक को हंसी नहीं आई.

फिर, चूहा अपने हाथों के बल चलने लगा. . .
लेकिन उससे भी मेंढक खुश नहीं हुआ.

फिर चूहे ने अपनी नाक पर एक गेंद संतुलित की,
बिल्कुल जैसे सर्कस में करते हैं!

लेकिन उससे भी मेंढक बिल्कुल भी नहीं मुस्कुराया.

फिर चूहा काफी निराश हुआ . उसे समझ में नहीं आया
कि वो और क्या करे. फिर उसके दिमाग में एक विचार आया. . .

चूहा अपना वायलिन लेने के लिए घर दौड़ा ....

. . . और उसने वापिस आकर एक सुंदर धुन बजाई.

वो धुन इतनी सुंदर थी कि मेंढक रोने लगा.

वो रोता रहा और उसके गालों पर आंसू बहने लगे.

चूहे ने और जितना अधिक अपना वायलिन बजाया
मेंढक उतना ही अधिक रोया.
"लेकिन मेंढक, तुम क्यों रो रहे हो?" चूहे ने पूछा.
"क्योंकि तुम इतनी खूबसूरती से वायलिन बजा रहे हो,"
मेंढक ने रोते हुए कहा. मेंढक बहुत भावुक हो गया था.

यह सुनकर चूहा जोर से हंस पड़ा.
"तुम बड़े मूर्ख हो, मेंढक," उसने कहा.
और फिर चूहा हँसता ही रहा.
मेंढक वहीं खड़ा रहा. . .

फिर, अचानक मेंढक भी मुस्कुराने लगा.
उसकी मुस्कान लगातार बढ़ती ही गई . .

. . . फिर मेंढक भी हंस रहा था, गा रहा था
और चूहे के साथ- साथ नाच रहा था.
अब उसका सारा दुख दूर हो गया था.

उन दोनों ने इतना शोर मचाया
कि उन्हें सुनकर बत्तख दौड़ी हुई आई. . .

....और साथ में सुअर और खरगोश भी ....

. . . सबसे आखिर में छोटा भालू आया.

फिर वे सब एक साथ हँसते-हँसते ज़मीन पर गिर पड़े.

"अरे!" हांफते हुए मेंढक ने कहा,

"मैं अपने पूरे जीवन में पहले इतना कभी नहीं हँसा!"

"प्रिय मेंढक," छोटे भालू ने कहा.

"मुझे बहुत खुशी है कि तुम फिर से मुस्कुरा रहे हो.

लेकिन यह बताओ, तुम पहले इतने उदास क्यों थे?"

"मुझे नहीं पता," मेंढक ने कहा. "मैं बस दुखी था."

समाप्त